सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 154 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 9 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-सम्राट अशोक

श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे रोहित... 7 | उपचुनाव होंगे सत्तापक्ष व विपक्ष... 3 | पूरे देश में विस्तार पर जोर लगाएगी... 2

हाथरस हादसे की होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

दो सदस्यीय समिति ने सौंपी जांच रिपोर्ट

सीजेआई ने सूचीबद्ध करने के दिये निर्देश ➤ 12 जुलाई को अदालत लेगी हिसाब

» एसआईटी रिपोर्ट पर भी सवाल

» हादसा आयोजकों की लापरवाही की वजह से हुआ : रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 121 लोगों की मौत देने वाले हाथरस भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। इस मामले की सुनवाई 12 जुलाई को होगी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने इस मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दे दिया है। याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को दो जुलाई को घटना पर एक रिपोर्ट तैयार करने और अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही के लिए कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है। बता दें कि 2.5 लाख से भी अधिक श्रद्धालु दो जुलाई को हाथरस जिले का फुलरई गांव में भोले बाबा के सत्संग में शामिल हुए थे।

वहीं यूपी सरकार द्वारा गठित एसआइटी ने भी रिपोर्ट सौंप दी उसमें हादसे के लिए भीड़ को जिम्मेदार बताया गया है। इस रिपोर्ट पर सवाल भी उठ गया है।

सियासी गलियारे से लेकर आम लोगों ने के बीच चर्चा है कि यह रिपोर्ट महज खानापूरी करने के लिए आई है। वहीं इस मामले में कुछ अधिकारियों पर गाज भी गिरी। गौतलब हो कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में 2 जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 121 लोगों की मौत हो गई। यूपी की योगी सरकार ने इस मामले की जांच के लिए

एसआईटी का गठन किया है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में सत्संग आयोजित करने वाली कमेटी के द्वारा अनुमति से अधिक लोगों के बुलाने, ना काफी इंतजाम के साथ-साथ अनुमति देने के बावजूद के बाद मौके पर अफसरों के द्वारा मुआयना नहीं करने को घटना का जिम्मेदार बताया गया है। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भगदड़ के पीछे साजिश से इनकार हीं किया जा सकता है इस मामले में गहन जांच की जरूरत है, यह हादसा आयोजकों की लापरवाही की वजह से हुआ, स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया।

बाबा साकार हरि का नाम नहीं

दो जुलाई को स्थानीय सिकंदराराऊ थाने में हाथरस भगदड़ को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, इसमें भोले बाबा का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज नहीं है। भोले बाबा भगदड़ की घटना के बाद से फरार है। उसकी आखिरी लोकेशन मैनपुरी आश्रम में मिली थी. इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। हाल ही में भोले बाबा ने बयान जारी कर घटना पर दुख जताया था और कहा था कि इस हादसे के दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा।

एसडीएम-सीओ समेत छह सस्पेंड

जांच समिति ने कार्यक्रम आयोजक तथा तहसील स्तरीय पुलिस व प्रशासन को भी दोषी पाया है। स्थानीय एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज द्वारा अपने दायित्व का निर्वहन करने में लापरवाही के जिम्मेदार हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट सिकन्दराराऊ द्वारा बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किये आयोजन की अनुमति प्रदान कर दी गई और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत भी नहीं कराया। उक्त अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया गया और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत भी नहीं कराया गया। एसआईटी ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की।

राहुल गांधी को अपने बीच पाकर उत्साह में रायबरेली के लोग

सांसद बनने के बाद दूसरी बार संसदीय क्षेत्र पहुंचे कांग्रेस नेता ➤ कार्यकर्ताओं के साथ संगठन पर करेंगे चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को एकदिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले चुरुवा हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया और आशीर्वाद लिया। वहीं अपने लोकप्रिय नेता उनको अपने बीच पाकर लोग काफी उत्साहित दिखाई दे रहे थे। मंगलवार सुबह वह दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और यहां से अपने संसदीय क्षेत्र के लिए रवाना हो गए। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राहुल का अपने संसदीय क्षेत्र का दूसरा दौरा होगा। राहुल के आगमन को लेकर पार्टी कार्यकताओं के साथ जिले के लोगों में उत्साह है।

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र के एक

दिवसीर दौरे पर आए थे। अब दूसरी बार यहां पहुंच रहे हैं। वह सड़क मार्ग होते हुए भुएमऊ गेस्ट हाऊस पहुंचेंगे। गेस्ट हाऊस में राहुल पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। वह कार्यकर्ताओं की बात को सुनने के साथ जिले के विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे, ताकि सांसद चुनने के बाद जिले के विकास कार्यों को प्राथमिकता के तौर पर कराया जाए। आम जनता से भी गेस्ट हाउस में मुलाकात करेंगे। साथ ही राहुल किसी भी क्षेत्र का भ्रमण भी कर सकते हैं।

शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी कर सकती मुलाकात

19 जुलाई 2023 को सियाचिन ग्लेशियर में शहीद हुए कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति के भी मंगलवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में राहुल गांधी से मिलने की संभावना है। शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से शहीद की पत्नी स्मृति ने सम्मान लिया था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति मंगलवार को राहुल गांधी से भुएमऊ गेस्ट हाउस में मिल सकती हैं।

पीएम मोदी नेहरूफोबिया से ग्रस्त : जयराम रमेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा के लिए रूस में हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाहें फैलाकर से गले मिलकर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी की यात्रा लेकर विपक्ष ने तंज कसा है। बता दें कि कांग्रेस ने मंगलवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1950 के दशक की शुरुआत में संप्रभु और तटस्थ ऑस्ट्रिया के उदय में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। इस दौरान जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेहरूफोबिया से ग्रस्त लोगों को भी इसे याद करना चाहिए। मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा से पहले, कांग्रेस महासचिव एवं संचार मामलों के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि ऑस्ट्रिया गणराज्य की पूर्ण स्थापना 26 अक्टूबर 1955 को हुई थी, जिसे इसका राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है और ये वास्तविकता बनने में जिस व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका थी, वह कोई और नहीं बल्कि वह व्यक्ति था, जिसे नरेंद्र मोदी नफरत करना और बदनाम करना पसंद करते हैं। रमेश ने कहा, प्रसिद्ध ऑस्ट्रियाई शिक्षाविद डॉ. हंस कोचलर ने द्वितीय विश्व युद्ध में विजयी शक्तियों के एक दशक के कब्जे के बाद एक संप्रभु और तटस्थ ऑस्ट्रिया के उदय में जवाहरलाल नेहरू द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के बारे में लिखा है।

» रूस व ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गरमाई सियासत

पूरे देश में विस्तार पर जोर लगाएगी सपा

सपा की महाराष्ट्र में 12 और हरियाणा में पांच सीटों पर लड़ने की तैयारी

» राज्यों के विस चुनाव के साथ हो सकते हैं यूपी की 10 सीटों पर उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अब पूरे देश अपना विस्तार करने का विचार कर रही है। इसी के तहत वह देश अन्य राज्यों में कांग्रेस से सीटें मांगने जा रही है। सपा ने इंडिया गठबंधन के तहत महाराष्ट्र में 12 और हरियाणा में 5 विधानसभा सीटों पर दावा किया है। इसके एवज में कांग्रेस को यूपी विधानसभा उपचुनाव में दो सीटें मिल सकती हैं।

सूत्र बताते हैं कि सपा नेतृत्व ने भविष्य के लिए कांग्रेस को अपना फलसफा भी समझा दिया है- 'एक हाथ दो, दूसरे हाथ लो'। यूपी विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर महाराष्ट्र और हरियाणा के आम विधानसभा चुनावों के साथ ही चुनाव होने की संभावना है। इन राज्यों के आम चुनाव अक्टूबर में होना तय माना जा रहा है। कांग्रेस ने भी गठबंधन के तहत यूपी विस उपचुनाव में सीटें मांगी हैं।यूपी में एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं। वहीं, खैर, गाजियाबाद व फूलपुर भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थीं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नजदीकी राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि अगर महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी का दावा स्वीकार किया गया तो यूपी में गाजियाबाद और मिर्जापुर की मझवा सीट कांग्रेस को देने पर विचार हो सकता है।

महाराष्ट्र में मजबूत है सपा

महाराष्ट्र में मानखुर्द शिवाजी नगर व भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट अभी सपा के पास हैं। इन दो सीटों के अलावा भिवंडी पश्चिम, मालेगांव सेंट्रल, वरसोवा, औरंगाबद पूर्व, धुले, अकोला वेस्ट, नागपुर सेंट्रल, करंजा, जलगांव जामोद, रावेर और अमरावती सीटों पर अपना दावा ठोंका है।

हर वर्ग में अपनी पैठ बनाने की रणनीति बनाएगी कांग्रेस

» जातिगत वोटबैंक पर नजर महापुरुषों पर होंगे कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस ने प्रदेश में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए मेहनत करना शुरू कर दिया है। इसी के मद्देनजर में जातिगत वोटबैंक बढ़ाने की नई रणनीति बनाई है। इसके तहत विभिन्न महापुरुषों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के नाम पर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। यह कार्यक्रम संबंधित जाति की आबादी के बीच चलाए जाएंगे।

पार्टी ने पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. जगजीवनराम की पुण्यतिथि (6 जुलाई) पर बीते दिनों तीन दिवसीय आयोजन कर इस मुहिम की शुरुआत कर दी है। यह आयोजन दलित आबादी के बीच किए गए। दलितों के बीच पहुंचे पार्टी नेताओं ने उन्हें यह समझाने का प्रयास किए कि कांग्रेस ने हमेशा उनकी बिरादरी को तवज्जो दी है। अब पार्टी संतों व स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े और पार्टी के उच्च पदों पर रहे नेताओं की जयंती और पुण्यतिथि से संबंधित कैलेंडर तैयार करा रही है। इस कैलेंडर के आधार पर पूरे प्रदेश में कार्यक्रम होंगे। संबंधित नेताओं के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को याद करते हुए उनकी बिरादरी के नेताओं के लोगों के बीच अपनी बात रखी जाएगी।

कार्यकर्ताओं की बढ़ेगी सक्रियता

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि इससे एक तरफ कार्यकर्ताओं में सक्रियता बनी रहेगी तो दूसरी तरफ संबंधित जाति के लोगों के बीच पार्टी से जुड़ाव भी बढ़ेगा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने बताया कि बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर वे खुद दलित बस्ती में जाकर सहभोज में शामिल हुए थे। पार्टी के हर नेता ने कहीं न कहीं कार्यक्रम आयोजित किए। आगे अब यह सिलसिला चलता रहेगा।

महंगाई पर क्यों चुप हैं पीएम व सीएम : तेजस्वी

बोले- सब्जियों और खाद्य पदार्थों की कीमत किसने बढ़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला है। इस बार उन्होंने सब्जियों के दाम बताकर सरकार को घेरने की कोशिश की है। लोगों से उन्होंने पूछताछ कि कोई एक सब्जी का नाम बताए जो 45 रुपए किलो से कम हो? आलू, प्याज, टमाटर, भिंडी, हरी मिर्च, गोभी, अदरक, शिमला मिर्च, तुरई, बैंगन, लौकी, धनिया, लहसुन इत्यादि के भाव आसमान छू रहे है।

सब्जियों और खाद्य पदार्थों जैसे दाल, चावल, नमक,तेल,घी इत्यादि की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी ने आम आदमी की रसोई का पूरा बजट ही बिगाड़ दिया है। गरीब आदमी का जीना मुहाल हो गया है। लोगों की थाली से हरी सब्जी गायब हो गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पटना में आलू ही 45-50 रुपये किलो बिक रहा है। सरकार के कर्ता-धर्ता महंगाई पर बोलने के लिए तैयार ही नहीं है? जनता महंगाई की चक्की में पीस रही है फिर किस बात की डबल इंजन सरकार? सरकार प्रायोजित इस महंगाई से ना तो किसानों को फायदा होता है और ना ही आम आदमी को।

बाढ़ के मामलों को गंभीरता से लें नीतीश : जगदानंद

राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने बाढ़ के मुद्दों पर नीतीश सरकार पर भी निशाना साधा। बाढ़ पर उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार जिम्मेदार पद पर हैं। उन्हें इस मामले को देखना चाहिए। सबको यह जानकारी है कि बाढ़ नेपाल में है, और नदियां बिहार से गुजरते हुए सारी पानी को लेकर जाती हैं। गंडक और कोसी दो बडी नदियां हैं। दोनों का डिस्चार्ज आठ लाख क्यूसेक से ऊपर होता है। खतरे की संभावना बन गयी है।

कर्ज लेकर घी में नहाने की नई परंपरा शुरू कर रही मप्र की बीजेपी सरकार : पटवारी

» बोले- मोहन सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू)के घाटे को लेकर कैग की रिपोर्ट पर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा है कि कर्ज लेकर घी में नहाने की नई परंपरा शुरू करने वाली बीजेपी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट के जरिए पब्लिक डोमेन में यह तथ्य आया है कि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) ने मप्र सरकार को अपने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू) की बदहाल स्थिति को लेकर कड़ी नसीहत दी है। पटवारी लिखा कि प्रदेश के 41 निष्क्रिय और भारी घाटे वाले पीएसयू को लेकर कैग ने राज्य सरकार के मॉनिटरिंग मॉडल को कटघरे में खड़े करते हुए कहा है कि सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने के बजाए इनके कामकाज की गंभीरता से समीक्षा करे, या तो इन्हें बंद कर दे या फिर इनके पुनरुद्धार के लिए कदम उठाए। कर्ज लेकर घाटे के ऐसे लग्जरी एक्सपेरिमेंट क्यों किया जा रहे हैं। सरकार की अनुमति से हो रहे इस घृत-स्नान की सीधे तौर पर जिम्मेदारी भी तो सरकार की ही है। यह सरकार की समीक्षा के दायरे में कब आएंगे।

सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बनोगे : दिग्विजय सिंह

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसएस की दिशा में चलकर काम करने की सलाह दी। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। जिसमें उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी से सीख हासिल करने की नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले नए नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिदायत दी है कि सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बन पाओगे। नेता बनने के लिए लोगों के बीच जाना होगा। गांव, मुहल्ले में जाना पड़ेगा। लोगों से मिलना और उनके सुख दुख में शामिल होना पड़ेगा। लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनना और इनके समाधान के प्रयास करना ही लोगों से जुड़ाव का कारण बन पाएगा।

झारखंड : पूर्व सीएम चंपई ने हेमंत सरकार में मंत्री पद की शपथ ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। चंपई सोरेन के साथ 10 अन्य लोगों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। चंपई ने 3 जुलाई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने 4 जुलाई को राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं और अन्य सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में राजभवन में एक समारोह में चंपई सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

11 नेताओं को पद और गोपनीयता की दिलाई शपथ

झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में राजभवन में एक समारोह में 11 नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री सहित 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में नए चेहरे कांग्रेस के जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी, महागामा विधायक दीपिका पांडे सिंह और झामुमो के लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम हैं।

उपचुनाव होंगे सत्तापक्ष व विपक्ष की 'अग्निपरीक्षा'

7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर होगा प्रत्याशियों का फैसला

- पूर्व से लेकर दक्षिण तक सियासी मिजाज बना चुनावी
- एनडीए और इंडिया गठबंधन उपचुनाव की तैयारी में जुटे
- यूपी में होने हैं 10 सीटों पर जल्द चुनाव
- उत्तर प्रदेश में 9 विधायक सांसद बने हैं
- विपक्ष देगा सत्ता पक्ष को कड़ी टक्कर
- पश्चिम बंगाल से यूपी तक तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दस जुलाई को देश में उपचुनाव है। ये चुनाव उन विधान सभा सीटों पर हो रहे हैं जिनके प्रत्याशियों (एमएलए) ने लोक सभा चुनावों में जीत हासिल कर ली है। इस उपचाव से सता पक्ष व विपक्ष दोनों के आंकलन भी हो जाएगा। हालांकि नई सरकार को बने अभी मात्र एक महीने हुए हैं। इन असेंबली चुनाव में हार-जीत से उन राज्य सरकारों के सियासी दलों के कामकाज की परीक्षा जरूर हो जाएगी जो सत्ता पर काबिज हैं। हालांकि यह चुनाव पूरे देश में है पर यूपी, महाराष्ट्र पर सबकी नजर ज्यादा है। उप्र में जहां योगी पर तो वहीं महाराष्ट्र में उद्धव पर सब टकटकी लगाए हैं।

अब चुनाव के परिणाम ही बताएंगे कि जनता किसको पसंद करती है और किसको खारिज। दरअसल, लोकसभा चुनाव के बाद 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। इसके अलावा यूपी की भी 10 सीटों पर उपचुनाव होना है।

लोकसभा चुनाव के बाद एनडीए और इंडिया के बीच जल्द एक और कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। दरअसल, 8 राज्यों की 23 सीटों पर उपचुनाव होने हैं. लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के अच्छे प्रदर्शन के बाद इन चुनावों में सत्ताधारी एनडीए को विपक्ष से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बिहार की रुपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बगदा, माणिकताला, तमिलनाडु की विक्रावंदी, मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ, मंगलौर, पंजाब की जालंध वेस्ट, हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर, नालागढ़ सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होगा। ये सीटें लोकसभा चुनाव या विधायकों के निधन के चलते खाली हुई हैं। वहीं, यूपी की करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर मीरापुर, फूलपुर, मझवा और सीसामऊ सीटों पर उपचुनाव होना है। उत्तर प्रदेश में 9 विधायक सांसद बन गए हैं और समाजवादी पार्टी के एक विधायक इरफान सोलंकी की सदस्यता चली गई जिसकी वजह से कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है।

विक्रवंडी उपचुनाव में उदयनिधि स्टालिन ने नीट पेपर लीक पर मांगा वोट

तमिलनाडु के मंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता उदयनिधि स्टालिन ने एनईईटी-यूजी मुद्दे और इस मामले पर भाजपा के रुख को उजागर करते हुए विक्रवंडी निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी पट्टाली मक्कल काची को हराने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि आप सभी ने पहले ही डीएमके को वोट देने का फैसला कर लिया है। यह डीएमके ही है जिसने एनईईटी परीक्षा के खिलाफ आवाज उठाई थी और अब उत्तरी राज्यों के नेताओं ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। यह भाजपा है जो इसके खिलाफ है (एनईईटी परीक्षा का विरोध कर रही है) और

पीएमके उनके साथ गठबंधन में है और यह उपचुनाव लड़ रही है, इसलिए मैं आप सभी से इस उपचुनाव में उन्हें हराने के लिए कहता हूं। इससे पहले 28 जून को तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से राष्ट्रीय स्तर पर नीट को खत्म करने का प्रस्ताव पारित किया था।6 अप्रैल को बीमारी के कारण डीएमके विधायक एन पुगाझेंधी की मृत्यु के बाद विक्रवांडी निर्वाचन क्षेत्र खाली हो गया था। मुकाबला डीएमके उम्मीदवार अन्नियुर शिवा और पीएमके उम्मीदवार और पार्टी उपाध्यक्ष सी अंबुमणि के बीच होने की उम्मीद है। दोनों पार्टियों ने वन्नियार समुदाय से उम्मीदवार उतारे हैं, जो यहां बहुसंख्यक है और उसके बाद दलित हैं। अन्नाद्रमुक ने यह आरोप लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया था कि मौजूदा राज्य सरकार चुनाव को अपने पक्ष में करने के लिए अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करेगी।

एआईएडीएमके डीएमके सरकार पर बोला हमला

एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी पलानीसामी ने कहा कि डीएमके मंत्री, कैडर सत्तारूढ़ दल की शक्ति का दुरुपयोग करेंगे, वे हिंसा और अराजकता भी फैलाएंगे और लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति नहीं देंगे। जबकि 2024 के लोकसभा चुनावों में 39 सीटें जीतने के बाद डीएमके को राज्य में अपने सपनों की दौड़ जारी रखने की उम्मीद है, पड़ोसी जिले कल्लाकुरिची में हाल ही में हुई जहरीली शराब त्रासदी डीएमके की योजनाओं में बाधा डाल सकती है।

यूपी में सीएम योगी को मिलेगी चुनौती

यूपी की 10 सीटों पर एनडी और इंडिया गठबंधन के बीच सबसे कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में यूपी में इंडिया गठबंधन ने एनडीए को बड़ा झटका दिया है। ऐसे में इन सीटों पर उपचुनाव को सीएम योगी की अग्निपरीक्षा के तौर पर भी देखा जा रहा है।

सीएम योगी, मायावती और अखिलेश ने संभाला मोर्चा

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ खुद चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। पार्टी ने इन दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए डेढ़ दर्जन मंत्रियों को प्रभारी बना दिया है. जिनके ऊपर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने और पार्टी से छिटके वोटबैंक को फिर से एकजुट करने की जिम्मेदारी है. दलितों पर भी ख़ासतौर से फोकस किया जाएगा। वहीं

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव एक बार फिर पीडीए फॉर्मूले के दम पर चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं।बहुजन समाज पार्टी ने भी उपचुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को तैयारी करने के निर्देश दिए हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर चौपालों और विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए पुराने वोटबैंक को जोड़ने की ज़िम्मेदारी दी गई है। आकाश आनंद के कंधों पर उपचुनाव की पूरी ज़िम्मेदारी दी गई है,बसपा कार्यकर्ता भी उनपर भरोसा करते हैं। वहीं चंद्रशेखर आजाद का भी दावा है कि उनकी पार्टी लगातार बूथ स्तर पर काम कर रही है। उपचुनाव में इसका असर दिखाई देगा।

हरियाणा में राज्यसभा चुनाव पर सियासत गर्म

हरियाणा में खाली हुई राज्यसभा की एक सीट पर चुनाव के लिए भले ही अभी तिथि घोषित नहीं हुई है, मगर उम्मीदवारी और समर्थन देने के लिए दलों के बीच जोर-आजमाइश चल रही है। भाजपा के खिलाफ साझा उम्मीदवार उतारने के लिए जजपा की ओर से आए सुझाव पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि यदि दुष्यंत व उनके भाई दिग्विजय राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनते हैं तो उन्हें समर्थन देने के बारे में सोच सकता हूं। इसके जवाब में जजपा के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कहा कि राज्यसभा सीट के लिए भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को अपनी पत्नी आशा हुड्डा या फिर अपनी पुत्रवधू को चुनाव में उतारना चाहिए। राज्यसभा की इस सीट पर तो भूपेंद्र हुड्डा अपने परिवार का हक समझते हैं और इसीलिए उन्होंने कुमारी सैलजा की सीट छीनकर दीपेंद्र को दिलवाई थी। उन्होंने खुद को उम्मीदवार बनाए जाने की पेशकश पर भूपेंद्र हुड्डा का धन्यवाद जताया, लेकिन कहा कि हुड्डा साहब को राजनीतिक चालबाजी करने के बजाय विपक्ष के नेता होने के नाते राज्यसभा चुनाव से पीठ दिखाकर भागना नहीं चाहिए। दिग्विजय ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि सैलजा की राज्यसभा सीट छीनकर दीपेंद्र को देने वाले हुड्डा उन पर इतनी मेहरबानी कैसे दिखा रहे हैं। दरअसल कुछ दिन पहले दुष्यंत चौटाला ने कहा था कि यदि कांग्रेस किसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी को चुनाव में उतारती तो वह कांग्रेस को समर्थन दे सकते हैं।

बंगाल में टीएमसी व तमिलनाडु में डीएमके भारी

पश्चिम बंगाल की चार सीटों पर उपचुनाव होना है. ये चारों सीटें टीएमसी के पास थीं। टीएमसी ने लोकसभा चुनाव 2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में इस बार भी इन सीटों पर टीएमसी का पलड़ा भारी माना जा रहा है। बिहार की रूपौली सीट पर उपचुनाव है, यहां जदयू विधायक बीमा भारती के इस्तीफे के बाद चुनाव हो रहा है, अब वे जदयू छोड़कर राजद में आ गई हैं। ऐसे में इस सीट पर एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है। तमिलनाडु की विक्रवंडी सीट पर भी उपचुनाव होना है। यह सीट डीएमके विधायक पुगाजेंथी के निधन के बाद खाली हुई है। इस सीट पर डीएमके और एनडीए के बीच कड़ा मुकाबला है।

मोहन, धामी व सुक्खू की भी अग्निपरीक्षा

मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव हो रहे हैं। यहां से कांग्रेस विधायक कमलेश प्रताप शाह बीजेपी में शामिल हो गए. इसलिए इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। बद्रीनाथ से विधायक राजेंद्र भंडारी ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया था। वहीं, मंगलौर में बसपा विधायक सरवत करीम अंसारी के निधन के बाद उपचुनाव हो रहा है। इस सीट पर बीजेपी ने करतार सिंह भड़ाना, कांग्रेस ने पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन और बीएसपी ने दिवंगत विधायक सरवत करीम अंसारी के बेटे उबेदुर रहमान को टिकट दिया है। यहां मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है। हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ सीट पर उपचुनाव हो रहा है। ये सीटें होशयार सिंह, आशीष शर्मा और केएल ठाकुर के इस्तीफे के बाद खाली हुई हैं। देहरा में कांग्रेस की कमलेश ठाकुर और बीजेपी के होशियार सिंह के बीच मुकाबला है. कमलेश ठाकुर सीएम सुखविंदर सिंह की पत्नी हैं. वहीं, हमीरपुर में बीजेपी के आशीष शर्मा और कांग्रेस के पुष्पेंद्र वर्मा के बीच मुकाबला है. जबकि नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह और बीजेपी के केएल ठाकुर चुनावी मैदान में हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

न हो दिव्यांगो का तिरस्कार गुणों का हो बखान!

दिव्यांगों के लिए अदालत ने एक लाजवाब फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्मों में दिव्यांगों को गलत तरीके से दिखाए जाने पर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने कहा है कि फिल्मों में दिव्यांगो की चुनौतियों के साथ उनकी सफलता को भी दिखाया जाए। दरअसल, फिल्मों में दिव्यांगो के फिल्मांकन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाया। कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है कि फिल्मों में दिव्यांगों की सिर्फ चुनौतियों को न दिखाया जाए, उनकी सफलता, प्रतिभा और समाज में योगदान को भी प्रमुखता से दिखाया जाए। कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई पर यह निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विजुअल मीडिया और फिल्मों में दिव्यांगो के अपमानजनक फिल्मांकन के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिव्यांगों पर अपमानजनक टिप्पणी करने या व्यंगात्मक तरीके से फिल्मांकन से बचना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगो का तिरस्कार नहीं करना चाहिए, बल्कि उनकी काबिलियत को दिखाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने विजुअल मीडिया और फिल्मों में दिव्यांगो के अपमानजनक फिल्मांकन के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिव्यांगों पर अपमानजनक टिप्पणी करने या व्यंगात्मक तरीके से फिल्मांकन से बचना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगो का तिरस्कार नहीं करना चाहिए, बल्कि उनकी काबिलियत को दिखाया जाना चाहिए।

विकलांगता पर व्यंग्य या अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मामले पर कोर्ट ने कहा कि शब्द संस्थागत भेदभाव पैदा करते हैं, अपंग जैसे शब्द सामाजिक धारणाओं में बेहद ही निचला स्थान रखते हैं। कोर्ट का यह फैसला निपुण मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका पर आया, जिसमें कहा गया था कि हिंदी फिल्म आंख मिचोली में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति अपमानजनक चीजें दिखाई गई हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, शब्द संस्थागत भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और विकलांग व्यक्तियों के बारे में सामाजिक धारणा में अपंग जैसे शब्द भेदभाव वाले है। पीठ ने कहा कि फिल्म प्रमाणन निकाय सीबीएफसी को स्क्रीनिंग की अनुमति देने से पहले विशेषज्ञों की राय लेनी चाहिए। साथ ही कहा गया है कि विजुअल मीडिया को दिव्यांग लोगों की विविध वास्तविकताओं को दिखाने की कोशिश करनी चाहिए। मिथकों के आधार पर उनका उपहास नहीं किया जाना चाहिए और न ही उन्हें अत्यंत अपंग के रूप में दिखाया जाना चाहिए। यहां आपको बताते चले कि पहले दिव्यांगों का विकलांग कहा जाता थ। बाद में भारत सरकार ने उनको दिव्यांग कहने का आदेश दिया । दिव्यांग शब्द के पीछे मंशा यह थी जो व्यक्ति शरीर से अपंग है उसमें कुछ न कुछ दैविय शक्ति होती है और वह जिसके बल पर आम लोगों के काम भी कुशलता से कर लेता है। ऐसे लोगों में मूकबधिर, दृष्टिहीन शामिल हैं। कुल मिलाकर यह फैसला दिव्यांगों के मनोबल को बढ़ाने वाला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या जन आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे उतरे राहुल

ज्योति मल्होत्रा

'पप्पू', वह विशेषण जो सत्ताधारी भाजपा पिछले कई बरसों से राहुल गांधी का मखौल उड़ाने के लिए बरतती आई है, क्या उसने जन-अपेक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जैसा कि अब हम जान चुके हैं, अच्छे नंबरों से। अलबत्ता, ये अंक पिछले जमाने के पैमाने- 'फर्स्ट-क्लास-फर्स्ट' या 'विशेषज्ञतापूर्ण' (डिस्टिंक्शन) या फिर 'फ्लाइंग कलर' (बहुत बढ़िया) जितने नहीं है, वरना हालिया चुनाव के बाद केंद्र में सरकार कांग्रेस की या कहिए 'इंडिया' गठबंधन की होती। हां, अंक इतने जरूर हैं कि 18वीं लोकसभा में अंतर ला सकें- बाकी देश में भी।

मौजूदा लोकसभा के आरंभिक किंतु लघु सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, जिसमें उन्होंने अनेकानेक भगवानों एवं संतों का संदर्भ देकर उदाहरण गिनाए- शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तक- जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो बे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज्बे का उद्घोष है। बड़ी बात यह कि न तो चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने और न ही नीतीश कुमार के जदयू ने -जिनकी बैसाखी पर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार टिकी हुई है- ज्यादा हो-हल्ला किया, मानो उन्हें जरा परवाह नहीं। लगता है नायडू और नीतीश, दोनों को, भली-भांति पता है -नीतीश के गिरते स्वास्थ्य की अफवाहों के बावजूद- चोट मारने का यही सही वक्त है, जब लोहा गर्म है। अर्थात, यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने-अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले।

नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है। चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है,

बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है। इस सिलसिले में उन्होंने गत रविवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री के अलावा छह केंद्रीय मंत्री- अमित शाह, नीतिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, और हरदीप पुरी- से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनाना चाहिए- इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा करवाना शामिल है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं। किसी का कहना है कि 1 लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा। लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा। जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं। क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें। फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं है- पर्याप्त है। बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली-भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है। मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है। उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है- पाला बदलने समेत। जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है -गोकि, वह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है। इसलिए, दिल्ली का कौन-सा प्रारूप अधिक सच है, एक वह जो कहता है कि भारत बदल चुका है क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं ले पाई और उसे दबकर रहना पड़ेगा और यह भी कि सत्ताधारी दल के 'बहुसंख्यकों का तुष्टीकरण' एजेंडे की तरफ लोगों का झुकाव अब और नहीं रहा?

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर उत्पन्न चुनौतिया

जी. पार्थसारथी

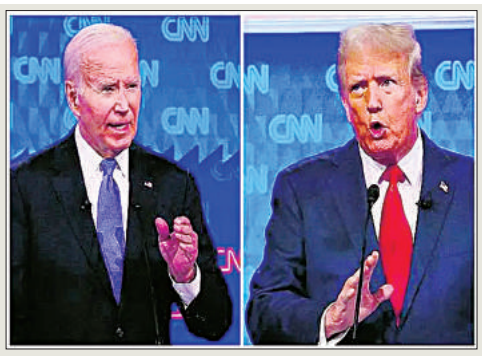

जहां भारत में आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार स्थापित हुई है, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव अभियान ने समूची राजनीतिक प्रक्रिया और कार्यविधि में भ्रम और दुविधा पैदा की है। राष्ट्रपति बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच रंजिश पुरानी है, पिछली बार बाइडेन ने ट्रंप को मात जो दी थी। दुनिया ने देखा कि किस तरह बाइडेन अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण कतई फिट नहीं हैं, टेलीविजन पर प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के साथ दिखाई गई रिवायती राष्ट्रव्यापी बहस के दौरान भी उनके दवा लेने पर सबने गौर किया। अपने राष्ट्रपति की सेहत को लेकर अमेरिकी चिंतित हैं। आगामी राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की तटस्थता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मौजूदा संकेतों के अनुसार हाल-फिलहाल बाइडेन की जीत की संभावना कम है। जो भी है, बाइडेन के विदेशमंत्री जोसेफ ब्लिंकन और एनएसए जेक सुलिवन के अपने समकक्षों एस. जयशंकर और अजीत डोभाल के साथ संबंध अच्छे हैं। भारत-अमेरिका के बीच सुचारु कामकाज में, इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के नवनियुक्त विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका और चीन में भारत की ओर से काम कर चुके हैं, लिहाजा दोनों से कौशलपूर्वक बरतने में वे पूरी तरह योग्य हैं। स्पष्ट है कि भारत की नीतियों का ध्यान मुख्य रूप से अपने पड़ोसी देश, खासकर पूरबी दिशा में मलक्का की खाड़ी के देशों से लेकर होरमुज की खाड़ी के तेल संपन्न अरब राष्ट्रों से रिश्ते मजबूत और शांतिप्रिय रखने पर रहेगा। सर्वविदित है कि ट्रंप का प्रधानमंत्री मोदी के साथ निजी राब्ता बहुत बढ़िया है, लेकिन बाइडेन के बारे में यह नहीं कहा जा सकता। जाहिर है भारत में मानवाधिकारों की चिंता को लेकर हालिया अमेरिकी बयानों के पीछे बाइडेन पूरी तरह जिम्मेवार थे। कोई हैरानी नहीं, प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे, जो न केवल भारत के प्रति दोस्ताना रवैया रखते हैं बल्कि मददगार भी हैं। बहरहाल, भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं। ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर बने हुए हैं। यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं। फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है। जिसके अंतर्गत मिराज 2000 लेकर अग्रिम श्रेणी के राफेल लड़ाकू जहाज हमें मिले हैं। भारत ने 36 राफेल जेट पाने हैं, और 26 और खरीदने के वास्ते सौदे पर बातचीत जारी है। यह पनडुब्बियों के आयात के अलावा है। बहरहाल, ध्यान रखना होगा कि भारत अमेरिका के साथ अपने बढ़ते संबंधों के परिप्रेक्ष्य में, अन्य वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ संबंध किस किस्म के रख पाएगा। विश्वभर के देशों से साथ रिश्तों में, भारत की प्रतिक्रिया चीन की बढ़ती ताकत के संदर्भ में क्या होगी, यह भी ध्यान का अन्य बिंदु होगा। यह बात भारत के अड़ोस-पड़ोस यानी मल्लका की खाड़ी से लेकर होरमुज की खाड़ी के खित्ते पर अधिक लागू है। इस इलाके में चीन द्वारा अपनी शक्ति बढ़ाने का मंतव्य भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करने के इरादे से भी है। यूरोपियन यूनियन भले ही सहयोग की दृष्टि से चीन को बतौर साझेदार ले रही है। लेकिन वह चीन को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी की तरह भी देख रही है। दरअसल, चीन की नीतियां यूरोपियन यूनियन के साथ व्यापारिक संबंधों में असंतुलन बना रही हैं। चीन और रूस के बीच बढ़ती निकटता को लेकर भी यूरोपियन यूनियन की चिंता साफ दिखाई देती है। रक्षा मामलों में यूरोपियन देश अमेरिका के बतौर कनिष्ठ सहयोगी बने रहते हैं, इस बात की संभावना कम है कि वे चीन की आक्रामकता के सामने टिकने वाली किसी विदेशी शक्ति का साथ या उसकी मदद करेंगे, जब तक कि अमेरिका उनकी पीठ पर हाथ न रखे। यदि अमेरिका की मदद न हो तो चीन की आक्रामकता का सामना कर रहे एशियाई देशों को यूरोपियन यूनियन से मदद की आस एक प्रकार से शून्य है, खासतौर पर जब नौबत चीन के साथ लड़ाई की बने। सनद रहे कि चीन के इलाकाई दावों से बने दबाव को झेल रहे फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं। लेकिन बात जब चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव और अनिश्चितता की आए तो भारत अपनी चौकसी में कमी लाना गवारा नहीं कर सकता। विशेषकर जब चीन भारत के दक्षिण एशियाई पड़ोसी मुल्कों पर पूरी शिद्दत से डोरे डालने में लगा हो ताकि दक्षिण एशिया सागर या हिंद महासागर के बंदरगाहों में अपनी नौसेना के लिए ठहराव सुविधाएं सुनिश्चित कर सके। वह पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह तक अबाध पहुंच पहले ही हासिल कर चुका है। चीन की निगाह लंबे वक्त से म्यांमार पर भी टिकी है, जहां भारत सित्तवे बंदरगाह का कामकाज संभालने जा रहा है। इसी बीच, ईरान के चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य करवाने को भारत की प्रस्तावित मदद स्वीकार होने पर अफगानिस्तान व मध्य एशिया तक पहुंचने में, भारत को पाक से होकर जाने की जरूरत नहीं रहेगी।

इस्राइल-फलस्तीनी युद्ध शुरू के बाद से भारतीय नौसेना की भूमिका पर अब अंतर्राष्ट्रीय दिलचस्पी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। पिछले छह महीनों में, भारतीय नौसेना के जहाजों ने अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाजों को संरक्षण देकर पार करवाया है। इसमें साथ लगे अरब सागर और पूरबी सोमालिया तट का इलाका भी शामिल है। इस्राइल-फलस्तीन युद्ध ने अंतर्राष्ट्रीय विवाद और हिंसा को जन्म दिया है।

वजन प्रबंधन

जामुन के पत्तों को वजन प्रबंधन में एक प्राकृतिक सहायक माना जाता है। वे भूख को नियंत्रित करने और भोजन की लालसा को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे स्वस्थ वजन बनाए रखना आसान हो जाता है। इन पत्तियों में मौजूद बायोएक्टिव यौगिक शरीर के चयापचय पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, जो अतिरिक्त पाउंड कम करने की चाह रखने वालों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा

जामुन के पत्तों में मौजूद रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले गुण संक्रमण और बीमारियों के खिलाफ शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। इन पत्तों को नियमित रूप से चबाने से समग्र प्रतिरक्षा में सुधार करने और बीमार पड़ने के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

त्वचा लाभ

जामुन के पत्तों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट न केवल आंतरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं बल्कि स्वस्थ और चमकदार त्वचा को भी बढ़ावा दे सकते हैं। इन पत्तियों को चबाने या इन्हें फेस पैक के रूप में इस्तेमाल करने से झुर्रियों और दाग-धब्बों को कम करके समय से पहले बूढ़ा होने से रोकने में मदद मिल सकती है। इनके रोगाणुरोधी गुण मुंहासे और एक्जिमा जैसी त्वचा की स्थितियों के उपचार में भी सहायता कर सकते हैं। जामुन के पत्तों को चबाने का एक और लाभ यह है कि यह अपने कसैले और रोगाणुरोधी गुणों के कारण मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है।

रक्त शर्करा नियंत्रित करते हैं
जामुन के पत्ते

रक्त शर्करा नियंत्रण से लेकर मौखिक स्वच्छता और त्वचा के लिए लाभकारी, जामुन के पत्तों में बहुत कुछ है। इन स्वास्थ्य लाभों का आनंद लेने के लिए इसे अपने आहार में शामिल करें। जामुन के स्वास्थ्य लाभ सिर्फ़ इसके फलों तक ही सीमित नहीं हैं? मीठा, बैंगनी-काला फल स्वास्थ्य लाभों से भरपूर है, और इसकी पत्तियाँ भी। जामुन की पत्तियां चबाने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, जैसे पाचन को बढ़ावा देना और वजन को नियंत्रित करना। जामुन के पत्तों को चबाने के सबसे प्रसिद्ध स्वास्थ्य लाभों में से एक है रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में उनकी क्षमता। जामुन के पत्ते बायोएक्टिव यौगिकों से भरपूर होते हैं, जिनमें एल्कलॉइड शामिल हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक पाए गए हैं। वे इंसुलिन उत्पादन को बढ़ा सकते हैं, जिससे वे मधुमेह वाले व्यक्तियों के लिए एक मूल्यवान प्राकृतिक उपचार बन जाते हैं। मधुमेहया जिन लोगों को यह स्थिति विकसित होने का खतरा है।

पाचन स्वास्थ्य

जामुन के पत्ते पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इनमें कसैले गुण होते हैं जो दस्त और पेचिश जैसी आम पाचन समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। जामुन के पत्तों को चबाने से पाचन संबंधी विकारों का इलाज करने और स्वस्थ मल त्याग को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा जामुन के पत्ते एंटीऑक्सीडेंट का एक समृद्ध स्रोत हैं, जो शरीर में हानिकारक मुक्त कणों को बेअसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मुक्त कण सेलुलर क्षति का कारण बन सकते हैं और उम्र बढ़ने और पुरानी बीमारियों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान कर सकते हैं।

सूजनरोधी गुण

जामुन के पत्तों में मौजूद बायोएक्टिव यौगिकों में सूजनरोधी गुण पाए गए हैं, जो उन्हें सूजनरोधी आहार का एक मूल्यवान हिस्सा बनाते हैं। इन पत्तियों को चबाने से शरीर में सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है, जो संभावित रूप से ऐसी स्थितियों से पीड़ित व्यक्तियों को राहत प्रदान कर सकता है, जैसे किवात रोगऔर सूजन आंत्र रोग। जामुन के पत्तों का नियमित सेवन शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..

ऑफ रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है, ऑनलाइन होते ही, धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है, आम भारतीय नागरिक।

लड़के वाले- क्या क्या कोर्स किया हुआ है आपकी लड़की ने? लड़की वाले- जी प्रोग्रामर है, प्रोग्राम बनाती है, लड़के वाले - कैसा प्रोग्राम ? लड़की वाले - शॉपिंग का, मूवी का, मॉल में जाने का?

एक मच्छर परेशान बैठा था। दूसरे ने पूछा, क्या हुआ? पहला बोला, यार गजब हो रहा है, चूहेदानी में चूहा, साबुनदानी में साबुन, मगर मच्छरदानी में आदमी सो रहा है।

लड़की- मैं हमेशा सोती ही रहती हूं बहुत ज्यादा नींद आती है, डॉक्टर- मोबाइल कौन सा है आपके पास, लड़की- Nokia 1100 है, डॉक्टर- ओह्ह.. मैं एक स्मार्ट फ़ोन लिखे देता हूं उसमें जिओ का सिम डालकर यूट्यूब, फेसबुक इनस्टॉल कर लेना एकदम आराम हो जायेगा।

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। जिसके लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर एक घंटे लिए खाना खाने चले गये। तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके खाना खाने जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

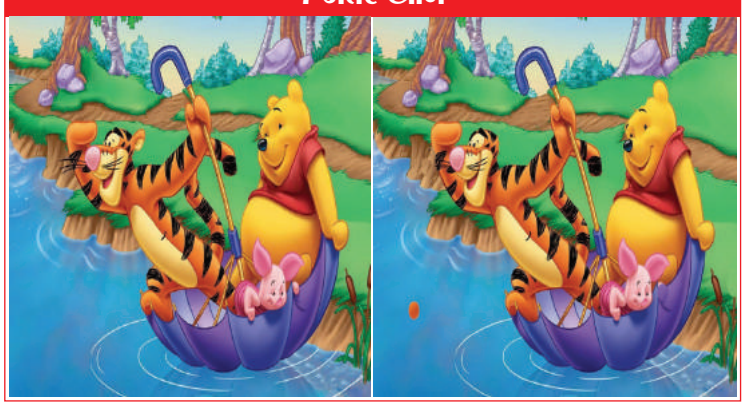

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी।

मकर भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अगर अमीर हूं तो इसके लिए माफी क्यों मांगूं: करण जौहर

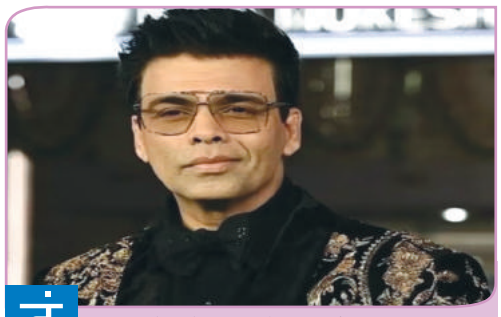

इंडियन सिनेमा में करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन ने अपनी पहचान बखूबी बनाई है। इस प्रोडक्शन हाउस की नींव उनके पिता यश जौहर ने साल 1979 में रखी थी। राज खोसला की दोस्ताना फिल्म को साल 1980 में इन्होंने प्रोड्यूस किया था जो कि डेब्यू फिल्म भी बनी थी। इसमें अमिताभ बच्चन और शत्रुघ्न सिन्हा लीड रोल में नजर आए थे। जीनत अमान एक्ट्रेस थीं। और ये ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी। हालांकि, कुछ समय बाद धर्मा प्रोडक्शन्स के अंतर्गत बनी फिल्में फ्लॉप भी होने लगीं। काफी भारी नुकसान इन्हें झेलना पड़ा। ऐसे में ये नौबत तक आ गई कि यश जौहर द्वारा खरीदी प्रॉपर्टीज भी बिक गईं। हाल ही में एक इंटरव्यू में करण जौहर ने इस बारे में खुलकर बात की। करण ने कहा- दोस्ताना के बाद पापा की लगातार 5 फिल्में फ्लॉप हुईं। उनके एक छोटा सा एक्सपोर्ट बिजनेस था जो वो चाहते थे कि मैं संभालूं। उस दौरान पापा, फिल्में फाइनेंस कर रहे थे। फाइनेंसर्स हमें पैसे देते थे और हम जब उन्हें वापस करते थे तो उसपर इंट्रस्ट देते थे। जब पहली फिल्म फेल हुई तो मेरी मम्मी हीरू जौहर ने नानी का घर बेचा। और जब दूसरी फिल्म फ्लॉप हुई तो उन्होंने अपने जेवर बेचे। दिल्ली में मेरे पिता की प्रॉपर्टी थी जो उन्हें बाद में वो भी बेचनी पड़ी। ये सभी कहानियां मैंने सुनी हैं और अपनी आंखों से ऐसा घर में होते देखा भी है। हमारे पास पैसा नहीं था। हम लोग मिडिल क्लास लोग थे। फिर धर्मा प्रोडक्शन की तीसरी, चौथी और पांचवी फिल्म ने अच्छा पैसा कमाया। तभी पापा इस दुनिया को अलविदा कह गए। मैंने धर्मा को संभाला। कितना पैसा हमने कमाया, जब मेरे हाथ में धर्मा की कमान आई। मुझे गर्व होता है कि मैं अपने पिता का सपना जी पा रहा हूं। मैं बहुत मेहनत करता हूं। कितनी बार ऐसा होता है, मैं 18 घंटे काम करता हूं। नेशनल हॉलिडे और छुट्टी वाले दिन काम करता हूं। 16-20 घंटे रोज काम कर रहा हूं। 5 घंटे सोता हूं। बहुत मुश्किल से मैंने ये पैसा कमाया है। तो मैं अगर अमीर हूं तो अपनी मेहनत से हूं, मैं क्यों माफी मांगू इसके लिए। मुझे जो पसंद होता है, मैं उस पर पैसा खर्च करता हूं।

बॉलीवुड में मर्द और औरत में फर्क किया जाता रहा है: मनीषा

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने हाल ही में हीरामंडी वेब सीरीज से अपनी जबरदस्त छाप छोड़ी है। एक्ट्रेस 90 के दशक का पॉपुलर चेहरा रही हैं, उस दौर में जहां एक्ट्रेसेज अपनी पर्सनल लाइफ को छुपाने में विश्वास रखती थीं, मनीषा खुलकर उन मुद्दों पर बात करती थीं। मनीषा ने बताया कि 90 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी धारणाएं थीं, जो उन्हें काफी परेशान करती थीं, फिर चाहे वो ड्रिंकिंग हो या अफेयर। मनीषा का कहना है कि बॉलीवुड में अक्सर ही मर्द और औरत में फर्क किया जाता रहा है। जो बातें मर्दों में माचोमैन के तौर पर देखी जाती हैं, वही अगर औरत करें तो उनका दर्जा नीचा हो जाता है। मनीषा ने कहा- मुझे इसके लिए कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा क्योंकि उन दिनों हीरो की कई गर्लफ्रेंड हो सकती थीं और उन्हें माचोमैन कहा जाता था, लेकिन हीरोइन को ये सूट नहीं करता था। एक्ट्रेसेज के लिए हमारे पास कुछ बहुत ही संकीर्ण तरह से वैल्यू करने का तरीका था, जो मेरे साथ अच्छी तरह से नहीं चला। 90 के दशक के कुछ ऐसे ही किस्सों को याद कर मनीषा ने बताया- सौदागर के समय एक पार्टी में मैंने वोडका के साथ कोक मिलाया था, और पी रही थी। मुझे मेरे आस-पास के लोगों ने कहा कि लोगों को ये मत बताओ कि मैं वोडका पी रही हूं क्योंकि एक्ट्रेस को शराब नहीं पीनी चाहिए। मुझे कहा गया कि मैं कहूं कि मैं कोक पी रही हूं। मैंने वो नई चीज सीखी। तो मैंने अपनी मां से कहा, मैं कोक पी रही हूं और उन्हें पता था कि मैंने इसमें वोडका डाली है और उन्होंने कहा, सुनो, अगर तुम वोडका पी रहे हो, तो कहो कि तुम वोडका पी रहे हो, मत कहो कि तुम कोक पी रहे हो, ऐसी छोटी-छोटी बातों के लिए झूठ मत बोलो। अगर मैं किसी को डेट कर रही थी, तो मैं किसी को डेट कर रही हूं। आप मुझे जज करना चाहते हैं? आगे बढ़ो और मुझे जज करो लेकिन मैं वैसी ही हूं, मैं ऐसी ही हूं और मैं अपना जीवन अपनी शर्तों पर जीती हूं। मनीषा कोइराला ने सौदागर फिल्म से डेब्यू किया था।

बोलीं- अगर मर्द करे तो माचोमैन और औरत करे तो उनका दर्जा नीचा हो जाता है

सावंत का कभी मां ना बन पाने का छलका दर्द

इंडस्ट्री की ड्रामा क्वीन राखी सावंत इन दिनों दुबई में रेस्ट मोड पर हैं। भले ही राखी पैपराजी के कैमरा से दूर है लेकिन मुंबई में हो रही हर हरकत पर उनकी नजर है। एक्ट्रेस हाल ही में मेडिकेशन के संजीदा दौर से गुजरी हैं। राखी ने इसी दौरान दुख भी जताया कि अब वो कभी मां नहीं बन सकेंगी। राखी बोलीं- दर्द बहुत है अंदर लेकिन जिंदगी का सामना करना ही पड़ेगा। मैं अब सरोगेसी के बारे में सोचुंगी। क्योंकि मैं बच्चा गोद नहीं ले सकती। मैं विक्की डोनर जैसा कुछ प्लान करूंगी या सोचूंगी, कोई वारिस तो चाहिए ना। राखी सलमान खान की बड़ी फैन हैं। एक्ट्रेस बताती हैं कि सलमान उन्हें किस कदर सपोर्ट करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके मेडिकल बिल्स सलमान खान ने भरे हैं। मुश्किल हालातों से गुजरीं राखी सावंत ने सर्जरी के बाद पहली बार बात की है। राखी बोलीं- डॉक्टर्स को पहले तो लगा था कि मुझे हार्ट अटैक आया था, लेकिन फिर जांच के बाद उन्हें मेरे पेट में 10 सेंटीमीटर का ट्यूमर मिला। मैं हमेशा सोचती थी कि मेरे पेट में इतनी एसिडिटी क्यों होती है। इलाज के तहत उन्होंने मेरा यूटरस और ट्यूमर हटा दिया। मैं आईसीयू में कोमा में थी। राखी ने बताया कि इस मुश्किल की घड़ी में उनका सलमान खान ने बहुत साथ दिया। वो बिना बोले आगे आए और उनके लंबे चौड़े मेडिकल बिल्स को भरने में मदद की। राखी ने कहा- वो अपने लोगों को कभी नहीं भूलते। बिना किसी को बताए मदद करते हैं। उन्होंने मेरे मेडिकल बिल्स में भी हेल्प की है। मेरे एक्स हसबैंड रितेश भी मेरे साथ मजबूती से खड़े रहे। हम अलग हो चुके हैं बावजूद इसके वो मेरा साथ देता रहा। इसी के साथ राखी ने एक्स-हसबैंड आदिल खान दुर्रानी पर भी गुस्सा निकाला। राखी बोलीं- उसने मेरा फोन हैक करवाया, अपने न्यूड वीडियो लीक किए और फिर मेरे ही खिलाफ केस डाल दिया। अब वो मुझपर ब्लेम डाल रहा है। मैं बेकसूर हूं। उसने मुझे बर्बाद किया है। मेरे सारे पैसे ले गया। उसने मुझे बदनाम किया है। वहीं राखी ने बताया कि उनकी बेस्ट फ्रेंड राजश्री भी उनके खिलाफ हो गई है। उन्हें बिग बॉस ओटीटी 3 का ऑफर आया था, लेकिन लीगल प्रॉसिजर की वजह से अंदाजा नहीं कि वो जॉइन कर पाएंगी या नहीं। इसी के साथ राखी ने अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल के खिलाफ भी अपना गुस्सा जाहिर किया। पायल को छिपकली के शक्ल की बताते हुए कहा- इस दुनिया में भलाई का जमाना ही नहीं है।

बोलीं- लेकिन वारिस तो चाहिए

अजब-गजब | अरबपति ने पाली अमर होने की जिद, चढ़वाया बेटे का खून

47 साल की उम्र में दिखता है बच्चा

जब से दुनिया शुरू हुई है, तब से लेकर अब तक इंसान का वश सिर्फ एक ही चीज़ पर नहीं है और वह 'मृत्यु'। कोई कितनी भी दौलत हासिल कर ले या कितना भी रुतबा बना ले, उसे इस दुनिया से जाना ही पड़ता है। हालांकि एक अरबपति सीधे मौत को चुनौती दे रहा है और उसका दावा है कि वो ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है, जिससे वो 'अमर' हो जाएगा। आमतौर पर लोग वो पाने की ज़िद करते हैं, जो हासिल की जा सके लेकिन अमेरिका के एक अरबपति ब्रायन जॉनसन ने 'अमर' होने की ठान ली है। वो इसके लिए हर वो चीज़ कर रहा है, जो उसके बस में है। अपना काम काज छोड़कर वो अपनी बेशुमार दौलत को सिर्फ इस रिसर्च में लगा रहा है कि उसे किस तरह अमरत्व का फॉर्मूला हासिल करना है। साइंस फिक्शन जैसी लगने वाली ये कहानी अमेरिकन अरबपति ब्रायन जॉनसन की है। ब्रायन ने बताया है कि वो अपना बर्थडे 12 महीने के बजाय 19 महीने में एक बार मनाने लगे हैं। इसकी वजह उनकी अजीबोगरीब जीन थैरेपी है। ब्रायन का दावा है कि उन्होंने फोलिस्टैटिन जीन थैरेपी ली थी, जिसके बाद उनकी उम्र इंसानों की सामान्य उम्र से 30 फीसदी ज्यादा हो सकती है। दरअसल इस थैरेपी को चूहों पर टेस्ट किया जा चुका है, जिनकी उम्र 30 प्रतिशत बढ़ गई। थैरेपी को

लेने के बाद ही वो अपना जन्म दिन हर 19 महीने में मना रहे हैं क्योंकि उनकी एजिंग प्रोसेस स्लो हो चुकी है। वे पहले भी अपनी एज रिवर्सिंग टेक्नोलॉजी को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिसमें उन्होंने अपने बेटे के खून से अपने खून को बदलवाया था और दावा किया था कि उन्हें इसके पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिले। वैसे तो ब्रायन की उम्र 47 साल है लेकिन उन्हें देखकर ये यकीन नहीं किया जा सकता। वो तस्वीरों में बिल्कुल बच्चों जैसे मासूम और संतुष्ट दिखाई देते हैं। वो कई साल से एंटी एजिंग ट्रीटमेंट ले रहे हैं। उन्होंने 'प्रोजेक्ट बेबी फेस' के तहत खुद के चेहरे पर रिवर्स एजिंग इफेक्ट दिखाया था। इसके अलावा उन्होंने अपने पिता को अपना खून चढ़वाया, जिससे उनकी उम्र 25 साल कम हो गई। उनका दावा है कि अपने 17 साल के बेटे का खून चढ़वाने के बाद उनकी फिटनेस 18 साल के युवाओं जैसी हो गई। हालांकि उनकी लाइफस्टाइल भी काफी मुश्किल है। वो सुबह 11 बजे तक खाना खा लेते हैं और इसके बाद कुछ नहीं खाते। शुद्ध शाकाहारी खाना और अखरोट का हलवा खाते हैं। नींद पूरी लेने के लिए रात साढ़े 8 बजे तक वो सो भी जाते हैं।

छोटी सी गाड़ी में छिपी है अलग दुनिया, देखकर हर कोई हैरान

सोशल मीडिया और इंटरनेट के ज़माने में आपको कब और क्या चीज़ दिखाई दे जाए, आप सोच नहीं सकते। कई बार तो कुछ ऐसी चीज़ें भी दिख जाती हैं, जो हमारी सोच से परे होती हैं। हम दुनिया के एक कोने में बैठे हुए किसी दूसरे कोने में रहने वाले लोगों की ज़िंदगी के बारे में जान सकते हैं। लोग अपनी क्रिएटिविटी को भी दुनिया के सामने मिनटों में साझा कर सकते हैं। एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों को बाहर से एक छोटी सी गाड़ी दिखाई दी, जिसमें बामुश्किल आराम से बैठा या लेटा या सकता होगा। हालांकि इसके अंदर जो नज़ारा था, वो किसी को भी चौंकाने के लिए काफी था। चलिए जानते हैं ऐसा क्या छिपा है गाड़ी के अंदर, जिसे देखकर लोगों के मन में सिर्फ एक ही सवाल आ रहा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक एमा मीज़ नाम की महिला ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी गाड़ी दिखाई है, जो उसका चलता-फिरता घर है। हैरानी की बात ये है कि ये इतनी छोटी दिख रही है कि आप इसके अंदर किसी के रहने की कल्पना नहीं कर सकते। हालांकि एमा एक पोलिश कंपनी का ये कारवां खरीदकर अपनी दुनिया बसाई है। ये सिर्फ 4.5 मीटर लंबा और 2 मीटर चौड़ा है। इसके अंदर पीले और नारंगी रंग से चीज़ों को सजाया गया है, जिसमें छोटा सा सिंगल बेड और एक छोटा डबल बेड भी है। इसके बीच छोटा फिज, हॉब और सिंक भी है। छोटा कबर्ड और वॉर्डरोब भी चीज़ें स्टोर करने के लिए रखी गई हैं। एमा के इस छोटे से घर को देखकर लोगों ने तारीफ भी की और आश्चर्य भी जताया। हालांकि जो एक चीज़ हर किसी ने पूछी वो ये थी कि आखिर बाथरूम और टॉयलेट कहां है? एमा ने इस बात का जवाब तो नहीं दिया लेकिन उनके इस पोस्ट को लोगों ने खूब प्यार दिया। इस पूरे घर को तैयार करने में उन्हें सिर्फ 3 लाख 20 हज़ार रुपये का खर्च आया है। वो बात अलग है कि उन्होंने इसमें शायद बाथरूम नहीं बनाया है।

लोकतंत्र में प्रदर्शन करना जनता का हक : गहलोत

» बोले- सीएम भजनलाल शर्मा को लगता है डर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा धरना प्रदर्शन की अनुमति न देने पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा है कि कई युवाओं एवं एक्टिविस्टों ने मेरे कार्यालय में आकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बताया है कि वो बेरोजगारी भत्ता, रोजगार, राजीव गांधी युवा मित्र बहाली, भर्तियों की घोषणा जैसे मुद्दों पर जयपुर में धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं परन्तु प्रशासन उन्हें सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दे रहा है।

धरना प्रदर्शन के लिए आरक्षित शहीद स्मारक से भी उन्हें बार-बार बलप्रयोग करके भगा दिया जाता है,यह उचित नहीं है।लोकतंत्र में अपने हक के लिए शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन जनता का अधिकार है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य है। मैं सरकार एवं पुलिस प्रशासन से आग्रह करता हूं कि इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाएं एवं जनता को उनका लोकतांत्रिक हक प्रयोग करने दें। राजीव गांधी युवा मित्र संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष संजय मीणा ने बताया कि उनके द्वारा दो बार प्रशासन को धरना देने की अनुमति के लिए पत्र दिया गया परंतु दोनों बार बिना किसी कारण बताए उनकी अनुमति को निरस्त कर दिया गया। बार-बार पूछने पर यह बताया गया कि ऊपर से यह आदेश हैं कि किसी प्रकार का धरना-प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी जाए। राजस्थान सरकार के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने इस मामले में प्रतिक्रिया जानने के लिए फोन किया तो उनके फोन पर उनके सहयोगी ने बताया कि साहब मीटिंग में जोधपुर हैं इसलिए अभी बात नहीं हो पाएगी।

जनता ने भाजपा को दिखाया आईना, नहीं देगी दोबारा मौका : पायलट

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि 400 पार का नारा देने वाले पार्टी को जनता ने असली चेहरा दिखाया है। आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है। अब ध्रुवीकरण की राजनीति करने वालों को जनता ने पहचान लिया है। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल में विधानसभा की तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी जीत रहे हैं। नालागढ़ के पंजेहरा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा में अंहकार, तानाशाही रवैया अपना सरकार की ताकत का दुरुपयोग करने वाली भाजपा को जनता ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। हिंदु- मुस्लिम को लेकर लोगों को भ्रमित करने वाली पार्टी को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। खंडित लोकसभा बनी है। जनता ने भाजपा को दिखा दिया है कि आने वाला समय कांग्रेस का है।

पीछे हटे उपराज्यपाल, वापस लिया शिक्षकों के तबादले का आदेश

» दिल्लीवालों का संघर्ष लाया रंग : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर पांच हजार शिक्षकों के तबादले रुकने को शिक्षा मंत्री ने दिल्लीवालों की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि सुबह शिक्षा निदेशालय ने आदेश जारी कर शिक्षकों के तबादले पर रोक लगा दी। इन शिक्षकों की मदद से पिछले 10 सालों में दिल्ली में शिक्षा क्रांति आई है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के नतीजे प्राइवेट स्कूलों से बेहतर हुए हैं। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जेईई और नीट की परीक्षा पास कर रहे हैं। यह सभी इन शिक्षकों की कड़ी मेहनत के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि ऐसा काम भाजपा शासित किसी राज्य में नहीं हो रहा। भाजपा शासित गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश इन सभी राज्यों में सरकारी स्कूल जर्जर अवस्था में हैं, कोई भी इन स्कूलों में अपने बच्चों को भेजना नहीं चाहता। वहीं केजरीवाल सरकार की 10 साल की मेहनत से दिल्ली में सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से बेहतर साबित हो रहे हैं। मंत्री ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार को ठप करने के लिए भाजपा षड्यंत्र रच रही है। 11 जून को शिक्षा निदेशालय द्वारा एक ऑर्डर निकाला जाता है। इसमें कहा जाता है कि जो भी शिक्षक एक ही स्कूल में 10 सालों से पढ़ा रहा है तो उसका अनिवार्य रूप से स्थानांतरण होगा।

बीजेपी ने षड्यंत्र रचा पर सच्चाई जीती : दिलीप

दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी के निर्देशों के खिलाफ जाकर दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले 5006 शिक्षकों का तबादला कर दिया गया था। इस ट्रांसफर आदेश का आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की थी। आज आखिकार सच्चाई की जीत हुई, भाजपा राजनैतिक जलन की वजह से ऐसा कर रही थी। बीजेपी शासित राज्यों में सरकारी स्कूलों की बुरी हालत है। स्कूलों की हालत खस्ता है। सरकारी स्कूलों के भवन नहीं हैं, अध्यापकों की कमी है। इनके राज्यों में सरकारी स्कूल ध्वस्त हो चुके हैं।

चुनाव चिह्न देने में सावधानी रखे निर्वाचन आयोग : सुप्रिया सुले

» बोलीं- ताकि लोगों में न फैले भ्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार पार्टी की नेता सुप्रिया सुले ने पार्टी चिह्न को लेकर चुनाव आयोग से बात की। उन्होंने पार्टी चिह्न को लेकर मतदाताओं के बीच भ्रम को रोकने के लिए सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राकांपा-एसपी ने चुनाव आयोग से मतदाताओं के बीच भ्रम को रोकने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टियों को चिह्न आवंटित करने में सावधानी बरती जाय।

उन्होंने बताया कि राकांपा-एसपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। पार्टी के प्रतिनिधियों ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी को सौंपे गए भ्रमित चिह्न को लेकर चिंताओं को दूर करने का अनुरोध किया।

राकांपा-एसपी ने पार्टी चिह्न को लेकर चुनाव आयोग से की बात

बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, राकांपा-एसपी ने ईवीएम पर तुरही बजाते व्यक्ति जैसे चिह्नों का मुद्दा उठाया।ऐसे चुनाव चिह्न से पार्टी पर नाकारात्मक प्रभाव पड़ा। हम आयोग से अनुरोध करते हैं कि पार्टी को चुनाव चिह्न आवंटित करने के समय थोड़ा सावधानी बरते। आगामी चुनाव में मतदाताओं को भ्रम से बचने के लिए हमने आयोग से सावधानी बरतने का आग्रह किया। बता दें कि इस साल अक्तूबर में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव होने वाला है।

लाक्षागृह बनने से बचा होटल, बची कई की जान

» अग्नि सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम, फायर ब्रिगेड ने 30 से 40 लोगों को बचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार देर रात हुसैनगंज स्थित होटल राज में आग लग गई। होटल में मौजूद गेस्ट ने तत्काल 112 पर सूचना दिया मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां की मदद से आग पर काबू पा लिया गया । सीएफओ मंगेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि देर रात होटल राज में 12.55 पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई तत्काल फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां और हाइड्रोलिक मशीन को रवाना किया गया। फायर कर्मी राहत/बचाव कार्य में जुट गए और होटल के अंदर मौजूद बुजुर्ग , बच्चों और महिलाओं सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मंगेश कुमार ने बताया कि एंट्री रजिस्टर के अनुसार होटल में लगभग 30से 40लोग रुके हुए थे सभी को सकुशल बाहर निकाला गया। आग लगने के बाद होटल के फायर अलार्म ना बजने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि होटल में लगे अग्निशमन यंत्र और फायर अलार्म की जांच होगी।

फायर अलार्म नहीं बजा

आग की घटना के समय गाजियाबाद से आए परिवार जिसमें चार लोग थे उस परिवार ने बताया कि जब आग लगने की घटना हुई उस वक्त पूरे होटल में कहीं भी फायर अलार्म नहीं बजा और इतना धुआं भर गया था कि किसी को कुछ भी नजर नहीं आ रहा था कमरे से बाहर निकल कर एक स्टाफ से धुएं के संबंध में जानकारी लिया तो उसने कहा कि धूप बत्ती जल रही है। गेस्ट ने बताया कि होटल स्टाफ ने बिल्कुल भी कोई सहायता नहीं किया अलबत्ता फायर ब्रिगेड और पुलिस का काम बहुत ही सराहनीय रहा तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और होटल में फंसे हुए सभी लोगों को बाहर निकाला गया।

लोगों ने की कार्रवाई की मांग

सीएफओ मंगेश कुमार को होटल के गेस्ट ने आग बुझाने के बाद घेर लिया और होटल के स्टाफ के द्वारा कोई सहयोग न मिलने और आग लगने के बाद फायर अलार्म ना बजाने जैसी तमाम समस्याओं को लेकर शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग किया।

श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे रोहित व विराट !

» आराम देने की तैयारी कप्तानी भी बदलेगी

» बुमराह को भी मिल सकता है ब्रेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चैंपियन बल्लेबाज विराट कोहली को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। रोहित के आराम करने पर केएल राहुल या हार्दिक पंड्या इस प्रारूप में कप्तानी कर सकते हैं। वर्लड कप 2023 के फाइनल के बाद विराट और रोहित इस फॉर्मेट में मैदान पर नहीं उतरे हैं। जिम्बाब्वे दौरे के बाद टीम इंडिया टी20 और वनडे खेलने श्रीलंका जाएगी।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी वनडे सीरीज से ब्रेक दिया जा सकता है। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों लंबे समय से लगातार खेल रहे हैं। 37 साल के रोहित ने छह महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टी20, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज, आईपीएल और टी20 विश्वकप शामिल है। विराट भी आईपीएल से लगातार खेल रहे हैं।

श्रीलंका दौरा इसी महीने के अंत में

बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे तैयारी के लिये काफी है।' टीम इंडिया इस महीने के अंत में श्रीलंका का दौरा करेगी। वहां दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और फिर तीन ही वनडे मैच खेले जाएंगे। 27, 28 और 30 जून को टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से होगी। 4 अगस्त को दूसरा और 7 को तीसरा वनडे मुकाबला खेला जाएगा।

सितंबर से जनवरी तक तीन टेस्ट सीरीज भी

भारत को सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं, उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच है। इन दोनों सीरीज का आयोजन भारत में ही किया जाएगा। फिर भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है।

पांच जवानों के बलिदान का जिम्मेदार कौन! उठ रहे सवाल

» हाई अलर्ट के बाद भी कैसे हुआ इतना बड़ा हमला

» सुरक्षा बलों के पास थे इनपुट, कांग्रेस, नेकां व बीजेपी ने किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। बीजेपी- एनडीए की मोदी सरकार सरकार के जम्मू-कश्मीर में आतंक खत्म होने के दावे को आतंकी हमले ने पाले खोल दी। एक महीने के भीतर दो बड़े आतंकी हमले ने गृहमंत्रालय के काम पर सवालिया निशान लगा दिया। सबसे बड़ी बात प्रथम दृष्टया इसमें लापरवाही साफ-साफ नजर आ रही है क्योकि पूरे राज्य को हाई अलर्ट और हमले के इनपुट पहले ये सुरक्षा एजेंसियो के पास थे।

वहीं इस हमले के बाद सियासी दलों ने भी गुस्सा जाहर किया है। जहां कांग्रेस ने इसके खिलाफ धरना प्रदर्शन किया है। वहीं नेकां के नेता फारूक अब्दुला ने पाकिस्तान पर बरसते हुए कहा कि जबतक आतंकी हमले नही रूकेंगे बातचीत नहीं होगी। वहीं बीजेपी ने भी सरकार से आतंकियों के खिलाफ आपरेशन तेज करने को कहा। जम्मू-कश्मीर में एक माह में सबसे बड़ा आतंकी हमला अंजाम दिया गया। हिजबुल मुजाहिदीन के दुर्दांत आतंकी बुरहान वानी की बरसी पर सुरक्षाबलों पर हमले के इनपुट सुरक्षा एजेंसियों को पिछले कुछ दिनों से लगातार मिल रहे थे। ऐसे में कठुआ जिले में भी हाई अलर्ट था। बाकायदा सभी एजेंसियों को एहतियात बरतने के निर्देश थे।

कल सुरक्षाबलों के वाहन पर ग्रेनेड फेंकने के बाद सेना के जवानों ने जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसके बाद मुठभेड़ जारी रही। उधर, हमले की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में सुरक्षाबलों को घटनास्थल की ओर रवाना कर दिया गया है। इन हमलों में पांच जवान बलिदान हो गए। जानकारी के अनुसार आतंकियों के सफाए के लिए उधमपुर से भी सुरक्षाबलों को घेराबंदी में लगा दिया गया है। उधर, भारी संख्या में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बनी के ढग्गर इलाके को सेना और पुलिस ने घेर लिया है। जानकारी के अनुसार आतंकियों के सफाए के लिए उधमपुर से भी सुरक्षाबलों को घेराबंदी में लगा दिया गया है। उधर, भारी संख्या में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

एक महीने के भीतर जिले में दूसरा आतंकी हमला

11 जून को हीरानगर के सैडा सोहल इलाके में आतंकी हमले के एक महीने के भीतर ही कठुआ जिले में यह दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले आतंकियों ने हीरानगर के सैडा सोहल गांव में 11 जून को हमला किया था। सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया था, वहीं दूसरे आतंकी का सफाया 12 जून को कर दिया गया था।

कठुआ में सेना के गश्ती दल पर आतंकी हमले में जेसीओ समेत पांच जवान हुए थे बलिदान

कठुआ जिले के सुदूरवर्ती मछेड़ी इलाके में सोमवार को दोपहर बाद घात लगाए आतंकियों ने सेना के गश्ती दल पर हमला किया। इसमें जेसीओ समेत पांच जवान बलिदान हो गए, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। देर रात तक ऑपरेशन जारी रहा। उधर, सेना ने ऑपरेशन में पैरा कमांडो को भी शामिल कर लिया है। उन्हें एयरलिफ्ट कर हमले वाले इलाके में ले जाया गया है। सेना की ओर से पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। घायल जवानों को पीएचसी बदनोता में प्राथमिक उपचार के बाद उपजिला अस्पताल बिलावर में भर्ती करवाया गया है।

'राज्य कर सकते हैं नए कानूनों में संशोधन'

» पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने तमिलनाडु सीएम के फैसले की सराहना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को तीन नए आपराधिक कानूनों में राज्य-विशिष्ट संशोधनों का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून संविधान की एक समवर्ती सूची का विषय है, जो राज्यों को नए कानून में संशोधन करने के लिए सक्षम बनाता है।

पूर्व गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं इस साल एक जुलाई को लागू हुए तीन आपराधिक कानूनों में राज्य संशोधनों का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। चिदंबरम ने कहा, मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के. सत्यनारायणन की एक सदस्यीय समिति के रूप में नियुक्ति का भी स्वागत करता हूं। मैं समिति से न्यायाधीशों, वकीलों, पुलिस, कानून शिक्षकों, विद्वानों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करने का अनुरोध करता हूं। बता दें स्टालिन ने केंद्रीय कानूनों में राज्य के संशोधनों पर विचार-विमर्श के लिए राज्य सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय परामर्शदात्री बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारियों को मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एम सत्यनारायणन की एकल समिति गठित करने का निर्देश दिया था। विज्ञप्ति में कहा गया था, 'यह समिति नए कानूनों की स्पष्ट रूप से जांच करेगी, राज्य स्तर पर अधिवक्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करेगी और एक महीने के भीतर राज्य सरकार को एक रिपोर्ट (राज्य-स्तरीय संशोधनों पर) सौंपेगी।'

स्टालिन ने समिति गठित की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को नए आपराधिक कानूनों में राज्य की दृष्टि से विशेष संशोधन की सिफारिश के लिए पहला कदम उठाते हुए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की एकल समिति गठित करने का आदेश दिया था, जो तीनों कानूनों का अध्ययन करेगी तथा इनमें संशोधनों के लिए राज्य सरकार से सिफारिश करेगी।

फोटो: 4पीएम

विरोध प्रदर्शन गोमतीनगर स्थित आर्यावर्त बैंक के प्रधान कार्यालय पर प्रबंध तंत्र की अनैतिक कार्यशैली के खिलाफ 5000 कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन।

आजम खां के हमसफर रिसोर्ट पर चला बुलडोजर

» प्रशासन ने कब्जामुक्त कराई सरकारी जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सपा नेता आजम खां के हमसफर रिसोर्ट पर प्रशासन की टीम ने बुलडोजर के साथ पहुंचकर कब्जामुक्त कराने की कार्रवाई शुरू कर दी। शहर विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत के बाद यह कदम उठाया गया।

जिला प्रशासन ने तहसीलदार सदर की कोर्ट में वाद दायर किया था। इसमें कहा गया था कि रिसोर्ट में खाद के गड्ढों की 0.038 हेक्टेयर जमीन है, जिसकी गाटा संख्या 164 है। कोर्ट के आदेश पर पैमाइश कराई गई। इसमें पुष्टि हुई कि यह जमीन खाद के गड्ढों की है। कोर्ट ने अवैध कब्जा हटाने और क्षतिपूर्ति वसूलने के आदेश दिए। आदेश के पालन में प्रशासन की टीम जेसीबी लेकर हमसफर रिसोर्ट पहुंची और कब्जामुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू की। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माणों और कब्जों को हटाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई ने इलाके में खलबली मच गई है। यहां बताते चले कि शहर विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर यह मामला तेजी से आगे बढ़ा। कुछ दिन पहले उन्होंने कार्रवाई के लिए पत्र लिखकर रिमाइंडर भी भेजा था। इसके बाद बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमेठी में दर्दनाक हादसा, पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी जिले के बाजारशुकुल थाने से गुजरने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह दिल्ली से बिहार के सीवान जा रही प्राइवेट बस अज्ञात वाहन से टकरा गई। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तो 11 अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत नाजुक है। जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।सूचना के बाद मौके पर एसपी समेत अन्य अफसरों ने घायलों के उपचार की जानकारी ली। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस पहचान कराने के साथ वैधानिक कार्रवाई में जुटी है।

अमेठी के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार सुबह करीब दो बजे दिल्ली से सिवान जा रही प्राइवेट बस की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। एसपी अनूप सिंह मौके पहुंचे और घायलों के उपचार की जानकारी ली। सूचना के बाद सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह भी अस्पताल पहुंचकर मरीजों का बेहतर उपचार कराने में जुट गए। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर मृतकों के पहचान करवाने में जुटी है।सीओ अतुल सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान की कोशिश की जा रही है। क्षतिग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हाईवे से हटवाकर यातायात को चालू करवा दिया गया है। हादसा करने वाली गाड़ी मौके से फरार हो गई है। जिसकी तलाश की जा रही है।

बिहार के बेगूसराय में कार-ऑटो की टक्कर में पांच की मौत

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास एनएच 31 पर हुई। मंगलवार अहले सुबह सात लोग ऑटो पर सवार होकर सिमरिया से जीरो माइल की आ रहे थे। रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ऑटो में फंसी लाशों को बाहर निकालने की कोशिश में जुटी है। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रूप में हुई है। मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है। वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे। वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।